नारियाँ - नौकरी क्षेत्रो मे

कोन है नारि? कभि सोचा है ये? नारि हमारा सबका माँ है। ये नारि ही है जो ये भूमी बनाया। क्या हम ये भूमी निर्मण को सम्मान दे रही है? कभि सोचा है। कुद सोचीये क्या हम ये सब हमारे माँ, बेहन, दादी उन को दे रही है।

हम सब यहाँ आज मज़े से जी रही है क्योकि कई स्त्रियो ने इस केलिए कई कठीन मेहनत की है। पर क्या फायदा हम सिर्फ पुरुश को ही बड़ा मानती है ऐसा क्यों? क्या ये दोनो ही बराबरी से मेहनत की है न। कई स्त्रियाँ है हमारे आसपास जो अपने सपना अपने परिवार केलिए छोड देती है और इस कार्य केलिए कोई नही पूछती, कहते है स्त्रियाँ केवल परिवार सम्भालना और खाना बनाये जब एक पुरुश ने अपने सपना छोडा तब पूरा देश उसे क्यो ऐसा कर रही है पूछती है। क्या ये सही है? सबको बराबर होना चाहिए।

हमारा भारत मे एक समय था जब नारियाँ को कोई काम नही करना। सब उसे इनकार करता। क्यो वे भी एक तरह से नियम विरुध है न। कोई इनसान को अधिकार नही है वे कहने केलिए। स्त्रियो को भी है उसकी जीवन मे क्या होना चाहिए, हमे उसे सम्मान देना ज़रूरी है। हमे नारियो को बदन करने के कोई ज़रूरत नही है।

आज कई युवतियाँ है जो कोई न कोई क्षेत्रो मे अपने हुनर दिखाए। आज सबको शिक्षा मिल गई है और सब अपनी पसंद की क्षेत्रों मे काम कर रही है। कुछ लोग कहती है वे उसका एठ है पर वे उसेतब समझ आएगा जब वो एक स्त्री है और शदि भी करकर परिवार सभालता है। लोगों को कहना असान है वे केवल नारियाँ को ही समझ आती है। हमे वो समझकर उसे उस काम केलिए प्राज करना चाहिए। तब ही हम एक अच्छा आदमी बन सकती हो। आज भूमी से चाँद पर भी नारि पहुच जाती है। वे बहुत अभिमान की बात है। विभिन क्षेत्रों मे आज युवतियाँ अपने हुनर

समझकर कई क्षेत्रो मे चमक रही है। आज सब बराबर से काम मे जाता है। कई परिवार है जो लड़कीयाँ अपने पैसे से सभालती है। हमारा भारत मे कई युवतियाँ है जो ऊची स्थान पर हो। उस तरह हर नारियाँ कोई न कोई काम कर रही है। कई महिलाँ होती है जो साबीत करते है की नौकरी केवल पुरुश को नही है।

हमे पूर्ण तरह से नही कह सकती की सारी महिला काम पर जाती है क्योंकि हमारा भारत मे ही है कई युवतियाँ जिनको समाज मे कोई सम्मान नही मिलती और शिक्षा भी नही मिलती। ये सब उनकी परिवार की भी गलती है। क्योंकि एक बचा तो सबको उसका प्रर्ण होती है। एक बच्चा या बच्ची चौदह साल तक पुरा शिक्षा मिलना ही चाहिए। अगर उसका परिवार उसे नही छोड़ रही हो तो उसका परिवार शिक्षित होना चाहिए। ये केवल परिवार की नही समाज का भी गलती है। समाज सिर्फ महिला केलिए ही कई नियम बना रही है। जब वे नियमो को पार कर कोई अच्छा स्थान पहुचा तो वे उसका श्रेठ है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തൃശ്ശൂർ ★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

क्या है ये ? क्यों सिर्फ स्त्रियो ही ये पालन करना चाहिए ? क्या ये पुरुश को कोई असर नही पड़ता ? ये केवल एक प्रेरण ही होगा क्योंकि हमारा समाज तो नही बदलना पाएगा।

शिक्षका तो सभीको होना चाहिए ये तो स्त्रि पुरुश से कोई सबंध नही। सबको शिक्षा मिलना चाहिए और काम मिलना चाहिए। तब ही हम आने वाले पीढ़ को इसका महत्व कह सकते हो। कई स्त्रियो ये जो अब भी परिश्रम कर रहे हो। काम मे भी कुछ लोग कहते है की ये काम पुरुश करने से अच्छा होता है। कोई स्त्रि करने से अच्छा नही होती। उसे पता नही की आज चाँद पर चलने केलिए भी महिला ही चलता है। ये बात तो कोई चर्चा नही करती केवल उसका गलती को ही लोग चर्चा करे। कई महिला है जो मशूर हो और ज्यादा पैसे कमाती हो। तब एक युवति अपनी प्रिय से काम करने हो तब वो ज़िद्दी कह जाती है। समाज ऐसा क्यो सोच रहे हो ? आज कई पुरुश से बेहतर काम स्त्रियाँ ही करती है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

जब एक बच्चा को संभालने केलिए पिता से बताया तो वो शर्म के बात है और जब उसका पत्नी कमाया पैसा इस्तमाल करने केलिए कोई शर्म नही है। जब घर से ही ये शुरु हो गया तो हम समाज को कैसे गलत कह सकते है। जब लड़का पैदा हुआ तो तब उसे पढ़ाना है और डॉक्टर बनना सोचती है जब लड़की पैदा हुई तो उसे शादि करने की सोच आती है, क्यों ? जब माता - पिता उसे पढ़ाई करकर शादि के जगह एक काम मिलने के बात सोची तो कितना अच्छा होगा। केवल कुछ लोग है एसी सोचती। इसकी बड़ा असर उनकी बेटियो की मन मे आती है। उसे समाज से और परिवार से विरोध होगा। हम एक को ही ये सोचना चाहिए सिर्फ सोचने से कोई काम नही होती, थोड़ा चिंतीत भी होना ज़रूरत है। आज महिला ये सब बात को छोड़कर अपनी सपने के पीछे भाग रही है। बड़ी बड़ी स्थानो मे काम भी कर रही है। आज सब महिला अपनी खुद की नियमो से चल रहा है। कई अवसर है आज उसे उपयोग करकर

आगे बढ़ना चाहिए तब हम भी अच्छी अच्छी शादि के बजाये बड़े काम कर सक्ती है। ये हर लड़कीयाँ के मन मे होना चाहिए खुद तय करना चाहिए हम क्या बन सकती है। हर को एक न एक सपना होना ही चाहिए। हर महिला या छोटी लड़की सबको सम्मान करना चाहिए। हमे उनका हुनर समझना चाहिए। एक दिन वो बड़ा होगर सम्मान नही देना, वो पहले कैसा था उस केलिए ही हमे सम्मान देना चाहिए।

काम केवल विविद क्षेत्रों में ही नही घर के काम, बच्चों की देखभाल करना सब एक तरह का काम ही है। क्या ये सब पुरुश को संभाल सकते है। जो सारी काम स्त्रियो करती है वो ज्यादा लोग को मुशकिल है। कभी सोचा है ये चुनौतियो ये कैसे हो रही है। छोड़ो क्या कभी मदद करी है या पूछने की कोशिश करी है। जी नही होगा क्योंकि ये सब तो शर्म के बात है ना हमारी समाज का दृश्टी ही गलत है। सब काम घर का या और सबको बराबरी से करना है। इसमे स्त्री - पुरुश और शर्म के कोई काम नही है।

हमे हमारे आने वाली पीढ को ये नही सिखाना चाहिए क्योकि हमे सब को शिक्षा मिली है। हमे ज्ञान है, इसलिए हमारा कर्तव्य है न ये बात को रूक देना। इसे कभी मत भूलना की सब काम बराबरी से करना वाली है। हमारे देश को रक्षा करने केलिए भी कई पुत्रियाँ बाड़ के पास खड़ी है। हमारे सबका माँ को ही लेलिये कितना काम करती है कोई शिकायत नही करती उसके काम से वो खुश हो जाता है पर कभी सोचा है की वो अंदर से उसकी सपना वाली काम कर रहे हो। ये तो कभि नही होता। सिर्फ उसके चेहरे की मुस्कान से तय नही कर सकती। हर महिला को खुद की सपना होती है, उसका संदर्भ के कारण सब छोड़ देती है। इसलिए अब आनेवाले कोई लड़की को ये नही होना चाहिए। इसकेलिए हमे परिश्रम करना चाहिए। समाज की सोच को बदलना चाहिए। परिवार से ही लड़कीयो को हर प्रशन का सामना करने केलिए प्राप्त करना चाहिए। हर लड़कीयो को हिम्मत से हर काम करना

चाहिए ।

कई महिलाँ है जिसके काम शादि के बाद रुकना पडती है । ऐसा ही है तो पुरुश को भी रुकना ही चाहिए तब ही न बराबर होगा । हर महिला को अवसर मिलना ही चाहिए उस केलिए कठीन परिश्रम भी करना ज़रूरी है । काम की अवसर महिलाँ को बड़ी सी बात ही है क्योंकि हमारे देश मे काम वाली युवति को बड़ी सम्मान मिलती है । इसलिए हमे मिलने वाली हर अवसर को हमे अच्छी तरह से प्रयोग करना चाहिए तब ही हमे बडे होकर कोई फायदा होगी । इसलिए दुसरो की बात सुनकर तय नही करना चाहिए खुद की हुनर और उत्सुकता की हिस्साब से आगे बड़ना चाहिए आज कई स्त्रियों है जिनको मातृका बना सकती है । हर लड़की कई दुरघटना सामना करकर ही ऊची स्थान पहुची है इसलिए सोचकर तय करना चाहिए । हमारी कमी को छोड़कर हिम्मत से आगे बड़ना ज़रूरी है । आज की समाने मे ये बिलकुल सही है ।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

आज तकिनिकी के बढ़ने की कारण कई अवसर हमारे सामने है। सिर्फ एक ही रास्ते से मत जाओ क्योंकि जब हम बाहर जाकर देखुना तब कई सो हज़ार के ऊपर अवसर तुम केलिए खुला है। उसे अच्छी तरह से प्रयोग करना चाहिए। हर महिला और बच्ची सबको बराबर अवसर मिलना ही चाहिए ये केवल काम पर नही उसकी ज़िंदगी मे भी ये होना चाहिए। हमे हमारा पंका को खोलकर ऊपर आकाश मे उड़ना चाहिए खुलकर उड़ना चाहिए तब ही हमे अवसर मिलुगी। केवल तकिनिकी की सहायता से नही आज हमे खुद चुनने की कई अवसर है।

"युवति केवल धर मे बैठकर परिवार को सथालना नही ऊपर विकास मे अपनी पंका खुलकर उड़ना चाहिए अपनी किमत समझ लेना चाहिए"। सब बात को छोड़कर आगे बढ़ने की लक्ष्य से भागे। जब तक बड़ी स्थान पर पहुचुगा तब के लिए हमे भागना है। कोई और का तप और बात

सुनने की जरूरत हमे नही है। एक लड़की का ज़िंदगी उसकी ही है। उसकी रास्ता चुनने की अवकाश भी उने ही है। कोई और नही। ये मत भूलना की सपने की बड़े कोई और नही है। सफलता ही है एक बहुत सुंदर चीज़। इसके ऊपर और नीचे कोई और नही है। सफलता की फल मीठा है और इस सफलता को पानने केलिए कठीन मेहनत मतलब हम कितना भी उसके पीछे भाग सकते हो उतना ही हमे भागना चाहिए।